करेंट अफेयर्स 24 अगस्त 2022

केंद्र-राज्य का तिरछा और चौड़ा

पाठ्यक्रम: जीएस पेपर -2 (राजकोषीय संघवाद)

संदर्भ: मुख्यमंत्रियों ने प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में नीति आयोग की बैठक में राज्य के घटते राजस्व के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की।

उन्होंने करों के विभाज्य पूल में अधिक हिस्सेदारी और जीएसटी क्षतिपूर्ति के विस्तार की मांग की, जो दोनों लंबे समय से केंद्र सरकार और राज्यों के बीच असहमति का कारण बने हुए हैं।

राज्यों की खराब वित्तीय सेहत के कारण

- 2019-20 में वृद्धि में मंदी।
- **उज्ज्वल डिस्कॉम एश्योरेंस योजना का कार्यान्वयन:** उज्ज्वल डिस्कॉम एश्योरेंस योजना भारत सरकार द्वारा शुरू की गई भारत की बिजली वितरण कंपनियों के लिए वित्तीय टर्नअराउंड और पुनरुद्धार पैकेज है।
- कृषि ऋण माफी प्रदान करना।
- महामारी के दौरान स्वास्थ्य और अन्य खर्चों में वृद्धि।
- **राजस्व में कमी:** महामारी के दौरान राज्यों के सकल कर राजस्व में कमी और केंद्र सरकार के करों में राज्यों के हिस्से में क्रमशः वित्त वर्ष 2020 और वित्त वर्ष 2021 में 15% और 9% की भारी गिरावट दर्ज की गई।

राजकोषीय संघवाद के वर्तमान स्वरूप से जुड़ी चिंताएं

बड़ी व्यय जिम्मेदारी के बावजूद कम संसाधन जुटाने की शक्तियां:

- विभाज्य पूल में राज्यों की हिस्सेदारी कम बनी हुई है, बावजूद इसके कि उन्हें विकास और कल्याण से संबंधित जिम्मेदारियों के संदर्भ में व्यय का अधिक बोझ उठाना पड़ता है।
- केंद्र सरकार के पास राज्यों की तुलना में अधिक कराधान शक्तियां हैं। **15 वें वित्त आयोग की रिपोर्ट के अनुसार,** केंद्र सरकार और राज्यों द्वारा जुटाए गए कुल संसाधनों का 62.7% जुटाया था, जबकि राज्यों ने 2019 वित्तीय वर्ष के लिए कुल व्यय का 62.4% वहन किया था।

वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार राज्यों को अनिवार्य हस्तांतरण सुनिश्चित करने में विफलता:

- केंद्रीय करों में राज्यों की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए वित्त आयोग की सिफारिशों के बावजूद, राज्यों का वास्तविक हिस्सा कभी भी अनिवार्य स्तर तक नहीं पहुंचा है। वास्तव में, **वास्तविक हस्तांतरण और वित्त आयोग द्वारा अनुशंसित स्तर के बीच का अंतर 11 प्रतिशत से अधिक हो गया है,** जो कम से कम दो दशकों में सबसे अधिक है।
- यद्यपि क्रमिक वित्त आयोगों ने विभाज्य पूल में वृद्धि की सिफारिश **की है, लेकिन वित्त वर्ष 2019 में 36.6% के शिखर पर पहुंचने के बाद विभाज्य पूल में राज्यों की हिस्सेदारी लगभग 29% पर स्थिर रही है।**

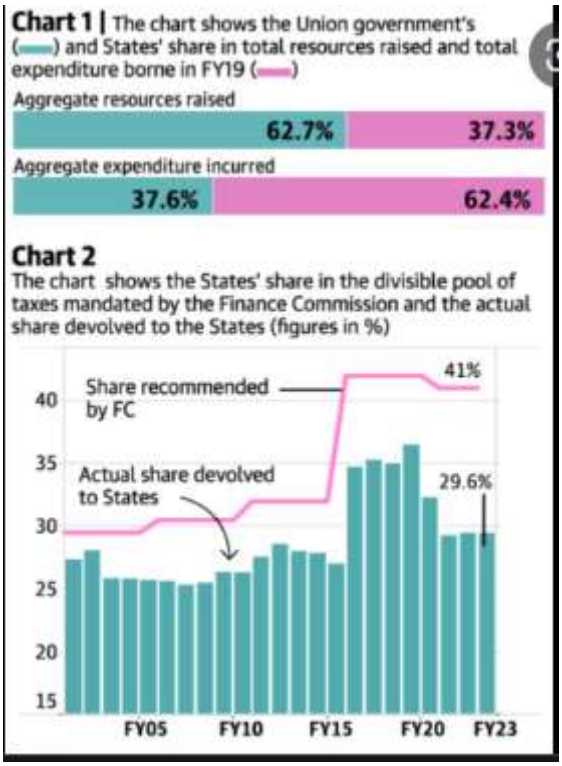

उपकर और अधिभार का उपयोग बढ़ाना:

- पिछले कुछ वर्षों में सकल कर राजस्व में उपकर और अधिभार का हिस्सा काफी बढ़ गया है। केंद्र सरकार उपकर और अधिभार लगाकर अपना राजस्व बढ़ाने में सक्षम रही है जो राज्यों के साथ साझा करने योग्य नहीं हैं।
- यही कारण है कि वित्तीय वर्ष-2020 और 2021 में राज्यों के सकल कर राजस्व के हिस्से में तेज गिरावट देखी गई।

जोखिम में फैक्टरिंग

सिलेबस: जीएस पेपर-3 (आपदा और आपदा प्रबंधन)

हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में मूसलाधार बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन से कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई। कई मुख्य सड़कें मलबे से अवरुद्ध हो गईं, क्योंकि धाराओं ने पुलों और वाहनों को बहा दिया। यह पहाड़ी क्षेत्रों में विकास गतिविधियों से जुड़ी चुनौतियों को उजागर करता है।

हिमाचल प्रदेश के मंडी, कांगड़ा और चंबा जिले सबसे ज्यादा प्रभावित जिले हैं।

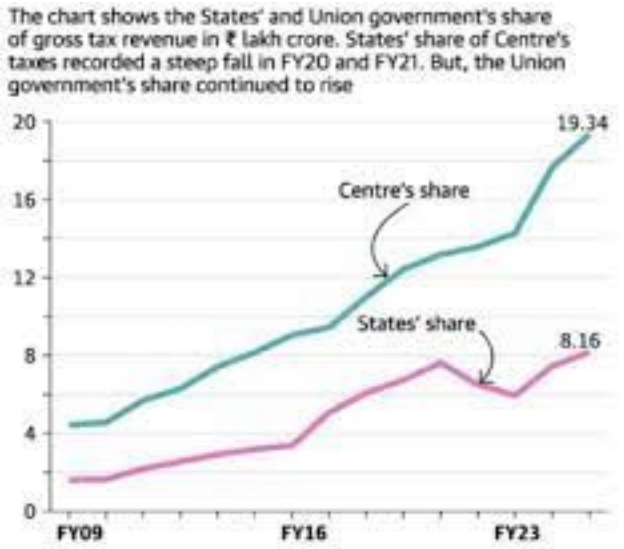

भारतीय मानसून की वर्तमान प्रवृत्ति और पहाड़ी क्षेत्रों पर इसका प्रभाव

- मानसून भारत की वार्षिक वर्षा का लगभग 75% चार महीनों में बहा देता है और असमान रूप से देश के अत्यधिक विविध इलाकों को पानी देता है।
- मानसून वर्षा पैटर्न बाधित हो रहा है जिससे बादल फटने जैसी घटनाओं में वृद्धि के साथ-साथ उच्च ऊर्जा चक्रवातों और सूखे की आवृत्ति में वृद्धि हो रही है।

उदाहरण के लिए, भारत में मानसून की वर्षा वर्ष के इस समय के लिए सामान्य से 8% अधिक है। हालांकि इसने कुछ क्षेत्रों में कृषि के लिए बेहतर स्थिति पैदा की है, इसके परिणामस्वरूप बाढ़ और केंद्रित बारिश हुई है और अन्य क्षेत्रों में विनाशकारी परिणाम हुए हैं। पर्वतीय क्षेत्र कहीं अधिक संवेदनशील हैं और जलवायु परिवर्तन के असमान प्रभाव को सहन करते हैं।

प्राकृतिक आपदा का असर

- जानमाल के नुकसान के अलावा राज्यों के इंफ्रास्ट्रक्चर पर गंभीर नुकसान भी पहुंचाया गया है।
- किसानों ने बारिश के कारण अपनी फसलों और मवेशियों को खो दिया है, जिसके परिणामस्वरूप गरीब और कमजोर वर्गों की आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।
- सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को आपदा के कारण होने वाली क्षति और आवश्यक पुनर्निर्माण के साथ-साथ प्रभावित लोगों के पुनर्वास के परिणामस्वरूप राज्य के खजाने के वित्त पर दबाव पड़ेगा।
- परिवहन सुविधाओं की कमी से आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होंगी और स्कूलों के बंद होने से बच्चों के लिए उत्पादक घंटों का नुकसान होगा।

पर्वतीय क्षेत्रों की भेद्यता में योगदान करने वाले कारक

- **अद्वितीय स्थलाकृति और अस्थिर भूभाग:** हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्यों में **अद्वितीय स्थलाकृति है जो प्राकृतिक आपदाओं जैसे भूस्खलन और भूकंप के लिए स्वाभाविक रूप से संवेदनशील है**। अपनी अनूठी स्थलाकृति के कारण उनके पास एक **अस्थिर इलाका** है जो इन राज्यों को प्राकृतिक आपदाओं के प्रति अधिक संवेदनशील बनाता है।
- **जलवायु परिवर्तन:** मानसून की बारिश के पैटर्न को बाधित किया जा रहा है जिससे बादल फटने जैसी घटनाओं में वृद्धि के साथ-साथ उच्च ऊर्जा चक्रवातों और सूखे की आवृत्ति में वृद्धि हो रही है।
- **वर्षों से पर्वतीय क्षेत्रों के अस्थिर विकास** ने विभिन्न भौतिक प्रक्रियाओं के पारिस्थितिक संतुलन को बिगाड़कर प्राकृतिक आपदाओं के लिए इन क्षेत्रों की भेद्यता में वृद्धि की है।

सिफारिशों

- **मौसम पूर्वानुमान और फ्लैश फ्लड के साथ-साथ बिजली गिरने के बारे में चेतावनियों के संबंध में पूर्व चेतावनी पूर्वानुमान की प्रणाली में सुधार करने की आवश्यकता है।** ये अधिकारियों को खुद को तैयार करने के लिए पर्याप्त समय प्रदान करने के लिए सटीक और समय पर होना चाहिए।
- क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को विकसित करते समय स्थिरता सबसे महत्वपूर्ण मार्गदर्शक कारक होना चाहिए। इस क्षेत्र में ढांचागत विकास भारी पर्यावरणीय लागत पर नहीं आ सकता है, यह देखते हुए कि इस तरह की वृद्धि और विकास टिकाऊ नहीं होगा।
- क्षेत्र में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के बढ़ते जोखिम और लागत को सरकार द्वारा निविदा दिए जाने पर ध्यान दिया जाना चाहिए, और विकास के बारे में वैज्ञानिक सलाह का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।

प्रारंभिक परीक्षा मुख्य तथ्य

दास व्यापार की याद और इसके उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस

- संयुक्त राष्ट्र हर साल 23 अगस्त को "दास व्यापार और इसके उन्मूलन की याद के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस" के रूप में मनाता है।
- यूनेस्को द्वारा इस दिन को न केवल ट्रान्साटलांटिक दास व्यापार को स्मारक बनाने के लिए नामित किया गया था, बल्कि उन लोगों की स्मृति का सम्मान करने के लिए भी नामित किया गया था, जिन्होंने **1791 में सेंट-डोमिंग्यू में विद्रोह** किया था और गुलामी और अमानवीकरण के अंत का मार्ग प्रशस्त किया था।
- यह 22 और 23 अगस्त 1791 की रात को, **सैंटो डोमिंगो (आज हैती और डोमिनिकन गणराज्य)** में था जिसने विद्रोह की शुरुआत देखी जिसने ट्रान्साटलांटिक दास व्यापार के उन्मूलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- शाही काल के दौरान, नस्लवादी विचारधारा अन्यायपूर्ण राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक प्रथाओं का आधार थी जिसने शाही शक्तियों को अपनी अर्थव्यवस्थाओं के निर्माण में मदद की। **दास व्यापार इस प्रकार साम्राज्यवाद और नस्लवाद का परिणाम था।**
- ट्रांस-अटलांटिक दास व्यापार **में गुलाम अफ्रीकी लोगों के दास व्यापारियों द्वारा अमेरिका में परिवहन शामिल था।** यह मानव इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक है जहां मनुष्यों की एक जाति को वस्तुओं के रूप में खरीदा और बेचा गया था।

केरल सावरी

- केरल ने **ऑटो टैक्सी श्रमिकों को उचित पारिश्रमिक के साथ यात्रियों को उचित और सभ्य सेवा सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार के स्वामित्व वाली देश की पहली ऑनलाइन टैक्सी सेवा** 'केरल सवारी' को सॉफ्ट लॉन्च किया है।
- श्रम विभाग के तत्वावधान में **मोटर श्रमिक कल्याण बोर्ड** द्वारा संचालित, केरल सवारी बिना किसी 'सर्ज प्राइसिंग' के 'सरकार द्वारा अनुमोदित किराए' पर जनता के लिए सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करता है।
- 'केरल सवारी' ऐप जल्द ही ऑनलाइन प्लेटफार्मों पर जनता के लिए उपलब्ध कराया जाएगा क्योंकि यह अब गूगल की जांच के दायरे में है।
- यह महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक सुरक्षित और विश्वसनीय ऑनलाइन सेवा के रूप में दावा किया जाता है।
- आवश्यक उचित प्रशिक्षण के अलावा योजना में शामिल होने वाले ड्राइवरों के लिए एक पुलिस निकासी प्रमाण पत्र अनिवार्य है।
- ऐप में पैनिक बटन सिस्टम पेश किया गया है। इस बटन को कार दुर्घटना की स्थिति में या किसी अन्य खतरे के मामलों में दबाया जा सकता है। कोई भी इसे पूरी तरह से निजी तौर पर कर सकता है। अगर ड्राइवर पैनिक बटन दबाता है तो यात्री घबराएगा नहीं और यात्री के पैनिक बटन दबाने पर भी ऐसा ही होता है।

टमाटर का फ्लू

लैंसेट रेस्पिरेटरी जर्नल की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में टमाटर **फ्लू या टमाटर बुखार** नामक एक नया संक्रमण पाया गया है, जो ज्यादातर पांच साल से कम उम्र के बच्चों में पाया गया है।

- टमाटर फ्लू **कॉक्ससैकी वायरस ए 16 के कारण होने वाली एक वायरल बीमारी है जो एंटरोवायरस परिवार से संबंधित है।**
- फ्लू का नाम टमाटर के समान दिखने वाले लाल फफोले के विस्फोट पर आधारित है।
- टमाटर फ्लू वाले बच्चों में देखे जाने वाले प्राथमिक लक्षण चिकनगुनिया की तरह हैं। इनमें **तेज बुखार, चकत्ते और जोड़ों में तेज दर्द शामिल है।**
- **संचरण:** बच्चों को टमाटर फ्लू के संपर्क में आने का खतरा बढ़ जाता है क्योंकि इस आयु वर्ग में वायरल संक्रमण आम हैं। यह संक्रामक है और इसके निकट संपर्क के माध्यम से फैलने की संभावना है।
- **उपचार:** टमाटर फ्लू न केवल चिकनगुनिया और डेंगू की तरह है, बल्कि हाथ, पैर और मुंह की बीमारी के लिए भी है। इस प्रकार, उपचार भी समान है अर्थात, **अलगाव, आराम, बहुत सारे तरल पदार्थ, और जलन और चकत्ते की राहत के लिए एक गर्म पानी स्पंज।**